एक हसीना को गर्भवती किया

“हाय ! सभी अन्तर्वासना-पाठकों को मेरा सलाम, मेरी तरफ़ से प्रणाम ! मैं आपको बता दूँ कि मैं अन्तर्वासना का पुराना पाठक हूँ। मैंने इसकी सारी कहानियाँ पढ़ी हैं और आज मैं आपको अपनी सच्ची कहानी बताने जा रहा हूँ। यह मेरी पहली कहानी है अन्तर्वासना पर ! मैं शैल जोधपुर का रहने वाला हूँ। दिखने में मैं […] ...”

Story By: (jodhpur)
Posted: Saturday, March 19th, 2005
Categories: कोई मिल गया
Online version: एक हसीना को गर्भवती किया

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

एक हसीना को गर्भवती किया

हाय !
सभी अन्तर्वासना-पाठकों को मेरा सलाम, मेरी तरफ़ से प्रणाम !

मैं आपको बता दूँ कि मैं अन्तर्वासना का पुराना पाठक हूँ। मैंने इसकी सारी कहानियाँ पढ़ी हैं और आज मैं आपको अपनी सच्ची कहानी बताने जा रहा हूँ। यह मेरी पहली कहानी है अन्तर्वासना पर !

मैं शैल जोधपुर का रहने वाला हूँ। दिखने में मैं बहुत सुन्दर और प्यारा हूँ। मेरा कद ६'२" है और मेरा लण्ड करीब ६.५ इन्च लम्बा और ३.५ इन्च मोटा है।

कोलेज में मेरी बहुत सी लड़कियों से दोस्ती रही है और शारीरिक सम्बंध भी रह चुके हैं। यह घटना पिछले साल नवम्बर की है उस वक्त मैं एक टेलिकॉम कंपनी में काम करता था। एक दिन मेरे बॉस ने मुझे एक मोबाइल नम्बर देते हुए कहा कि ये उनके किसी दोस्त का नम्बर है और मुझे उनके यहाँ इन्टरनेट कनेक्शन लगाने जाना होगा।

मैंने उस नम्बर पे फोन किया तो किसी महिला ने उठाया मैंने पूछा क्या मैं मिस्टर विशाल से बात कर सकता हूँ तो उन्होंने कहा कि वो तो ऑफिस गए हैं कहिये क्या काम है ?

मैंने सारी बात बताई तो उन्होंने कहा कि कनेक्शन करने अभी आ सकते हैं। मैंने कहा मैं अभी एक घंटे में आ जाता हूँ।

मैं दिए हुए पते पे पहुँचा और घंटी बजाई, एक महिला ने आकर दरवाज़ा खोला, उसकी उम्र करीब २५-२६ साल की रही होगी और उसकी फिगर ३६-२८-३८ रही होगी, उसने गहरे हरे रंग की साड़ी पहनी थी, रंग दूध जैसा सफ़ेद ! दोस्तों मैं क्या कहूँ ! उसके जैसी खूबसूरत

औरत मैंने अपनी जिन्दगी में कभी नहीं देखी थी, मेरी आँखें सीधी उसके बूब्स पे जाकर गड़ गई।

उसने कहा- क्या काम है ?
मैंने सामान्य होते हुए कहा- मैं शैल !
उसने कहा- ओके ! प्लीज़ आइये।
मैं उसके पीछे चल दिया, उसके बदन से आ रही खुशबू मुझे मदहोश बना रही थी। उसने मुझे बैठक में बिठाया और अपना लैपटॉप लेकर आई। मैं उसपे डाटा-कार्ड (इन्टरनेट कनेक्ट करने का डिवाइस) इंस्टाल करने लग गया, वो अन्दर से २ कोल्ड ड्रिंक लेकर आई और मेरे सामने सोफे पर बैठ गई। मेरी नज़रें बार बार उसके बूब्स पे जा रही थी, मेरा लण्ड तो अकड़ कर तम्बू के बम्बू हो गया था जैसे अभी पैंट फाड़ के बाहर आ जाएगा।
अचानक उसने मुझे कहा- क्या देख रहे हो ?
मैं एकदम से सकपका गया।
उसने कहा- शरारती कहीं के ! और एक प्यारी सी मुस्कान दी।

ये सुनकर मेरा हौंसला भी थोड़ा बढ़ गया, मैंने कहा- आप इतने खूबसूरत हो कि नज़रें हटाने को मन ही नहीं करता !

वो बोली- फ्लर्ट करने में काफी अच्छे हो ! और खिलखिला कर हँस पड़ी। उसकी हँसी इतनी प्यारी थी न दोस्तों ऐसा लग रहा था जैसे चारों तरफ़ मोती बिखर गए हो।

मैंने इन्टरनेट कनेक्शन कर के उससे कहा कि कनेक्शन हो गया है, आप कृपया चेक कर लीजिये। और वो आकर मेरे पास बैठ गई, मैंने उसे समझाने के बहाने २-३ बार छू लिया और हर बार वो मेरी तरफ़ मुस्कुरा देती उसकी तरफ़ से हरी झंडी मिलते देख मैं मन ही मन इतरा रहा था, तभी उसने मेरे गाल पे हौले से किस कर दी और कहा तुम बहुत क्यूट हो !

मुझे तो जैसे मन मांगी मुराद मिल गई हो, मैंने उसका हाथ अपने हाथ में ले लिया और कहा- मैं आपको एक बार हग करना चाहता हूँ !
तो उसने कहा बस इतनी सी बात !
मैं उठा और उसे कस के गले लगा लिया, दोस्तों ऐसा लग रहा था जैसे मुझे जन्नत मिल गई हो।

तभी मेरे मोबाइल की घंटी बजी, मेरे बॉस का फ़ोन आ रहा था, मैंने फ़ोन उठाया तो उन्होंने कहा कि ऑफिस में एक जरूरी मीटिंग है तो जल्दी से आ जाओ, मैं मन ही मन अपने बॉस को गालियां दे रहा था. मैंने कहा अभी जाना पड़ेगा तो वो बोली गर्म करके ऐसे प्यासा छोड़ के जाना अच्छी बात नहीं है मैंने उसे अपना सेल नम्बर देते हुए कहा कल मुझे फोन करना, और मैं ऑफिस चला गया।

अगले दिन सुबह ही उसका फ़ोन आया, उसकी आवाज़ में अलग ही कशिश थी, उसने मुझे कहा कि अभी मेरे घर आ जाओ मेरे पति ऑफिस गए हैं. मैं तैयार होकर उसके घर चला गया। मैंने रास्ते में मेडिकल स्टोर से ४-५ कंडोम ले लिए, मैं मन ही मन बहुत खुश हो रहा था कि आज तो मस्त माल चोदने को मिलेगा।

मैं उसके घर पहुँचा और दरवाजे की घंटी बजाई। जैसे ही दरवाजा खुला मैं तो उसे देखता ही रह गया ! उसने काले रंग की नाईटी पहन रखी थी जो कि बहुत ही बारीक थी, उसकी ब्रा और पैंटी भी नज़र आ रही थी, उन कपडों में वो क़यामत लग रही थी। उसने जैसे ही दरवाजा खोला मैंने उसे गले लगा लिया, उसने कहा- क्या कर रहे हो ? दरवाजा तो बंद कर लेने दो उसके बाद जो करना हो करो ! फिर उसने दरवाजा बंद किया और मुझसे लिपट गई, दोस्तों उस वक्त मेरी क्या हालत हो रही थी मैं बयां नहीं कर सकता। मेरा लण्ड तो लोहे की छड़ जैसा कड़क हो गया था।
तभी उसने कहा कि सब कुछ यहीं करोगे या अन्दर भी चलोगे ?

मैंने उसे अपनी बाँहों में उठा लिया और उसे बेडरूम में ले गया, उसे बेड पे लिटा कर उस पे टूट पड़ा। उसके सारे बदन को चूमने चाटने लगा। इतनी देर में वो भी गरम हो चुकी थी। उसके मुंह से शी इ … शी ऐ की आवाजें आ रही थी तो माहौल को और भी उत्तेजक कर रही थी।

मैं अपने हाथ उसके बदन पे फिराते हुए उसके स्तनों पे ले गया और जोरों से दबाने लगा. मैंने अपने होंठ उसके होंठों पे लगा दिए और उसे जोरों से चूमने लगा, चूमते चूमते उसने अपनी जीभ मेरे मुंह में डाल दी, मैंने धीरे धीरे उसकी नाईटी उतार दी और उसने मेरी पैंट और शर्ट उतार दिए।

अब वो मेरे सामने सिर्फ़ ब्रा पैंटी में थी। मेरा लण्ड अंडरवियर के अंदर कोबरा सांप के जैसे फुफकार रहा था. उसने अपना हाथ मेरे लण्ड पे रखा और बोली ह्म्म्म … काफी बड़ा लण्ड है तुम्हारा तो ! ज़रा बाहर तो निकालो इसे !

और मैंने अपना अंडरवियर निकाल दिया … अब मेरा लण्ड उसके हाथ में था और वो उसकी चमड़ी को धीरे धीरे ऊपर नीचे कर रही थी।

मैंने समय ना खोते हुए उसकी ब्रा और पैंटी भी उतार दी. उसके बूब्स इतने प्यारे थे कि क्या कहूँ, एकदम गुलाबी, उसकी चूत पे एक भी बाल नहीं था शायद आज ही साफ की थी। मैं उसके बूब्स बुरी तरह दबा दबा के चूस रहा था और एक हाथ उसकी चूत पे फेर रहा था, मेरी उंगलियाँ उसके शिश्निका को मसल रही थी।

तभी मैंने अपनी एक उंगली उसकी चूत में डाल दी … उसकी चूत काफी कसी थी, शायद ज्यादा चुदी हुई नहीं थी, उसकी चूत पूरी गीली हो चुकी थी, मैं धीरे धीरे अपनी उंगली को अन्दर बाहर करने लग गया। वो मुंह से श हह ही ईई … शी ईई … आ अ आह ह्ह्ह आः … ऊन नंह आवाजें निकाल रही थी।

तभी मैं उठा और अपना मुंह उसकी प्यारी सी चूत पे रख दिया। अब मैं उसकी चूत चाट रहा था … पहले मैंने अपनी जीभ उसके क्लिट पे फिराई … जिस से वो ऐसे तड़प उठी जैसे जल बिन मछली, वो कहने लगी प्लीज़ अब चोद दो और बर्दाश्त नहीं होता, पर मैं उसे और तडपाना चाहता था, अब मैंने अपनी जीभ उसकी चूत के अन्दर डाल दी. उसके मुंह से सीत्कार निकल गई. वो मेरी मिन्नतें करने लगी कि प्लीज़ अब बर्दाश्त नहीं होता … अपना लण्ड मेरी चूत में डाल दो और उसकी प्यास बुझा दो!

मैं उठा और कंडोम अपने लण्ड पे चढ़ाने लगा। तभी उसने मेरा हाथ पकड़ लिया और कहा इसकी कहाँ जरुरत है!
मैंने कहा- तुम गर्भवती हो सकती हो!
ये सुनकर वो बहुत भावुक हो गई और कहने लगी कि मैं तो बच्चे के लिए तरस रही हूँ।
मैंने कहा- मैं समझा नहीं!
तो वो बोली कि उसके पति में कमी है, वो कभी बाप नहीं बन सकते।

उसने कहा कि वो मेरे बच्चे की माँ बनना चाहती है। ये सुन कर मुझे इतनी खुशी हुई कि मैं बयां नहीं कर सकता और मैंने अपने लण्ड-मुंड पर से कंडोम हटा दिया और उसके ऊपर लेट गया, उसे बेतहाशा चूमने लगा … वो भी मेरा पूरा साथ दे रही थी।

मैंने अपना लण्ड हाथ में पकड़ा और उसकी चूत के मुँह पर रखा … उसकी चूत ऐसी लग रही थी जैसे कमल के फूल की अधखुली पंखुडियां, मैंने अपना लण्ड इसकी चूत पे रखा और रगड़ने लगा … उसने कहा प्लीज़ अब अन्दर भी डाल दो। मैंने हौले से धक्का लगाते हुए अपने लण्ड का सुपारा उसकी चूत में डाल दिया … उसकी चूत ज्यादा खुली हुई नहीं थी इसलिए लण्ड घुसने में दिक्कत हो रही थी, १ मिनट रुक के मैंने थोड़ा और ज़ोर लगाते हुए अपना पूरा लण्ड उसकी चूत में डाल दिया …

वो इतनी खूबसूरत लग रही थी कि मैं उसके चेहरे पे बिल्कुल भी दर्द नहीं देखना चाहता

था। तभी उसने नीचे से अपनी कमर उठा के धक्के लगाने लग गई, मैं समझ गया कि अब उसे दर्द नहीं हो रहा है, मैं भी अब धीरे धीरे उसे चोदना शुरू कर दिया, उसकी चूत काफी गीली हो गई थी इसलिए फच-फच की आवाजें आ रही थी। मैं उसके होठों पे लगातार किस किए जा रहा था ,,,,मेरे हाथ उसके स्तनों को प्यार से मसल रहे थे।

उसके चेहरे पे एक संतुष्टि का भाव था और आँखों में खुशी के आंसू … उसने कहा कि उसके पति ने कभी उसे इतने प्यार से नहीं चोदा ! तुम प्लीज़ आज मेरी प्यास बुझा दो …

अब मैं उठा और उसकी टाँगें उठा के मेरे कन्धों पे रख दी और लण्ड फिर से चूत में डाल दिया … अब मैं उसे स्पीड से चोद रहा था।

वो भी कह रही थी शैल प्लीज़ और ज़ोर से चोदो … आ अह हह ह श ह ह्ह्ह … ऊ उ ऊ ऊई ई ई मा … उन नन्ना … की आवाजों से पूरा कमरा गूँज रहा था। तभी उसने मुझे अपनी बाँहों में कस के पकड़ लिया और मेरे गाल पे एक ज़ोर से, मगर प्यार से सराबोर, काट लिया। मैं समझ गया कि वो झड़ने वाली है …

मैंने धक्के मारने का काम और तेज कर दिया। तभी उसकी चूत ने गरम गरम पानी छोड़ दिया जो उसकी चूत से बहता हुआ बेडशीट तक पहुँच गया … झड़ने के कारण उसकी चूत बुरी तरह से गीली हो चुकी थी और मेरा लण्ड आराम से उसकी चूत में फिसल रहा था … करीब २० मिनट उसे चोदने के बाद मैंने भी अपना ढेर सारा वीर्य उसकी चूत में उड़ेल दिया और उस पे निढाल होकर गिर गया …

अब हम दोनों एकदूसरे को चूम रहे थे … मैंने उसके चेहरे कि तरफ़ देखा उसके चेहरे पे एक संतुष्टि थी … वो मुझे लगातार किस किए जा रही थी। फिर हम लोग आधे घंटे तक ऐसे ही लेटे रहे। … आधे घंटे बाद मेरा लण्ड फिर हरकत में आ गया … और इस बार मैंने उसे अपने ऊपर लेटा के चोदा, आधे घंटे तक चोद के मैं फिर से उसकी चूत में ही झड़ गया …

उस दिन मैंने उसे शाम तक ५ बार चोदा।

फिर उसके पति के आने का समय हो गया तो हम लोगों ने कपड़े पहने और बैठक में आ गए … वो अन्दर जाकर काफ़ी बना कर लाई, वो बहुत खुश लग रही थी। काफ़ी पीकर मैं जाने लगा तो वो मेरे गले लग कर रोने लगी और कहा कि तुमने मुझे आज वो खुशी दी है जो किसी ने नहीं दी, और मेरे होठों पे अपने होंठ रख कर चूमने लगी। मैं भी काफी भावुक हो गया। उसने मुझे कहा कि जब भी मैं बुलाऊँ तब जरुर आना …

फिर मैं हफ्ते में २-३ बार उसके घर जाने लगा और हम लोग खूब चुदाई करते, फिर अगले महीने जब मैं उसके घर गया तो वो बहुत शरमा रही थी मेरे काफी पूछने पे उसने शरमाते हुए बताया कि वो माँ बनने वाली है … ये सुनकर मुझे इतनी खुशी हुई … ऐसा लगा जैसे सारे जहाँ की खुशियाँ मिल गई हों। आज हमारा एक २ महीने का बच्चा है ..जो दिखने में बिल्कुल मेरे जैसा है … मैं बहुत खुश हूँ।

माफ़ करना दोस्तो, मैं आपको उसका नाम नहीं बता सकता जिसने मुझे इस दुनिया की सबसे बड़ी खुशी दी।

Other stories you may be interested in

ऑफिस की मैडम की गोद भरी

सभी पाठकों को मेरा प्यार भरा नमस्कार … मेरा नाम केशव है और मैं नवाबों के शहर लखनऊ से हूँ. मैं एक कंपनी में इंजीनियर हूँ और लम्बा चौड़ा लड़का हूँ. मेरा लंड 7 इंच का है और मोटा है. […]
Full Story >>>

साली की चुदाई करके उसकी इज्जत बचाई

हमारे साथ जो कुछ गलत होता है, अनर्थ होता है। उसके पीछे हमारी गलत सोच ही अपनी अहम भूमिका निभाती है। हम अपनी गलती का कभी स्वीकार नहीं कर पाते और दूसरों पर दोष थोपकर किनारा कर जाते हैं। शादी […]
Full Story >>>

मेरी मम्मी रंडी निकली-5

दोस्तो, मेरी पिछली कहानियों को आपने इतना प्यार दिया, उसके लिए आप सभी का शुक्रिया! मेरी इस कहानी के पिछले भाग मेरी मम्मी रंडी निकली-4 में अपने देखा कि कैसे मैंने मेरी बहन शीतल और मेरी बाकी दो बहन जो […]
Full Story >>>

कलयुग का कमीना बाप-8

पापा मेरी फुर्ती और व्याकुलता देखकर हैरान रह गये। फिर वो मुस्कुराते हुए झुके और मेरी चूत पर एक प्यार भरा किस देकर अपना लंड मेरी चूत से रगड़ने लगे। “ओहह पापा… मेरे अच्छे पापा! अपना लंड जल्दी से मेरी […]
Full Story >>>

प्रतिशोध की ज्वाला-7

अब तक आपने पढ़ा कि गीता को इस बात की चिंता हो गई थी कि वो चुदाई के कारण माँ बनने वाली है. उसके इसी भय के चलते उसको एक फर्जी डॉक्टर के पास ले जाया गया जो उसकी चुत […]
Full Story >>>